Sub. Code - C-8

Date - 21/04/202

UNIT-1 Knowledge and curriculum (Jitesh kumar

## 1. ज्ञान का महत्व (Importance of knowledge):-

ज्ञान ही गुण है ज्ञान मनुष्य को अन्धेरे से प्रकाश में ले जाता है। भारतीय दर्शन के अनुसार ज्ञान मानव जीवन का सार है, विश्व का नेत्र है, ज्ञान से बढ़कर कोई सुख नहीं है, ज्ञान का प्रकाश सूर्य के समान है ज्ञानी मनुष्य ही अपना और दूसरों का कल्याण करने में समर्थ होता है। ज्ञान विश्व के रहस्यों को प्रकाशित करने वाला है, ज्ञान से ही चरित्र का बोध होता है और ज्ञान की आराधना करने से अज्ञान का नाश होता है। "ज्ञान समुद्र के बिना अमृत है, बिना औषधि

Scanned with CamScanner

के समान है और किसी की अपेक्षा न रखने वाला ऐश्वर्य है।"

## 2. ज्ञान की प्रकृति
## Nature of knowledge

ज्ञान की प्रकृति को समझने के लिए ज्ञान के सिद्धान्तों के बारे में जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। क्योंकि ज्ञान के सिद्धांत ज्ञान की परिभाषा देने और उसकी विशेषताओं की व्याख्या करने का प्रयास करते हैं। ज्ञान का शाब्दिक अर्थ ठोस विश्वास है जो जानने, निर्देश देने, प्रकाशित (प्रकट) करने, सीखने और क्रियात्मक निपुणता की ओर संकेत करता है।

ज्ञान की प्रकृति को ज्ञान की विशेषताओं के माध्यम से समझा जा सकता है। ज्ञान की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(1) ज्ञान सत्य तक पहुँचने का समाधान है।
(2) विचार ज्ञान के लिए श्रेष्ठ सामग्री का काम करता है।
(3) भाषा के माध्यम से ज्ञान की प्राप्ति और इसका संचार होता है।
(4) शब्दों के अर्थ, शर्तें, विचार, ज्ञान की शिक्षा का आधार बनते हैं।
(5) ज्ञान सुनिश्चित है।
(6) ज्ञान की पुष्टि की जा सकती है।
(7) तथ्य और मूल्य ज्ञान के ढाँचे के आधार बनते हैं।

ज्ञान अपने में सार्थक सम्पूर्णता समेटे हुए सूचना का एक खाका है जो सुव्यवस्थित ढंग से तथ्यों को प्रस्तुत करने की विधि है जो ज्ञान को सार्थक

Scanned with CamScanner

बनाती है।

## ज्ञान के प्रकार

## Types of knowledge

### ज्ञान के सामान्य प्रकार :-

ज्ञान की प्रकृति समझने के पश्चात् इसके प्रकार को समझना आसान हो जाता है। विस्तृत रूप में ज्ञान के दो प्रकार है —

### 1- प्रागनुभाविक ज्ञान :-

ए प्रयोरी ज्ञान बुद्धि पर आधारित होता है जिसको हम प्रागनुभविक करती है। इस ज्ञान के उदाहरण गणित शास्त्र के क्षेत्र और तर्क शास्त्र के क्षेत्र में मिलते है। Ex. दो और दो चार होते है, इस बात को प्रमाणित करने के लिए किसी प्रकार के अनुभव की कोई आवश्यकता नही है। इसी प्रकार जब हम यह कहते है कि AB से बड़ा है और BC से बड़ा है। इसलिए AC से भी बड़ा है। यह बात इसलिए ठीक है। क्योंकि यह तर्क पर आधारित है। तर्क शास्त्र में निगमन के आधार पर जो तर्क दिया जाता है। वह तार्किक नियमों पर आधारित होने के कारण वैध (valid) है। बहुत से कथन, कहावतें और तथाकथित सत्य जिसका हम दैनिक जीवन में प्रयोग करते है वे सभी ए प्रयोरी (प्रागनुभाविक) ज्ञान के अंतर्गत आते है।

### 2. प्रायोगिक ज्ञान (Empirical knowledge) :-